Post operative care

Surgery के बाद रोगी की जाने वाली देखभाल Post operative care कहलाती है।
इसमें निम्न कार्य सम्मिलित होते हैं –

1. दर्द को कम करना।
2. रोगी में ज्वर की रोकथाम एवं उपचार।
3. अनावश्यक चिंता को कम करना।
4. रोगी को पर्याप्त आराम एवं नींद करने में मदद करना।
5. रोगी के शरीर में electrolytes का संतुलन बनाए रखना।
6. रोगी को पर्याप्त पोषण प्रदान करना।
7. रोगी में O_2 की सांद्रता सामान्य बनाए रखना।
8. रोगी की छोटी समस्याओं को ठीक करना।
9. रोगी में जटिलताओं की रोकथाम एवं उपचार करना।
10. रोगी को आवश्यक दवाएं देना।
11. रोगी की स्वच्छता का ध्यान रखना।
12. रोगी को ठीक होने पर छोटे कार्य एवं व्यायाम करवाना।
13. रोगी को छुट्टी के समय आवश्यक स्वास्थ्य शिक्षा देना।

Special Points : रेत का थैला (Sand Bag) एवं खिंचाव (Traction) रोगी के शरीर के किसी भाग को स्थायी रखने के लिए उपयोग में लिए जाने वाले उपकरण हैं।

1. दर्द को कम करना :- Surgery के दौरान Patient anaesthesia के प्रभाव में होता है जो समय बीतने के साथ-साथ कम होता जाता है एवं Patient को Pain अनुभव होने लगता है।

* Patient में Pain को कम करने के लिए Doctor द्वारा Prescribed analgesics दिये जाने चाहिए।

जैसे :-
- Diclofenac Sodium
- Tramadol
- Paracetamol

* इसके साथ ही Patient की surgery site को ज्यादा हिलाना नहीं चाहिए। यदि आवश्यक हो तो Sand-Bags एवं Traction का भी उपयोग किया जा सकता है।

* Patient को Analgesic नियमित Interval पर ही दिए जाने चाहिए।

* Patient को Diversion therapy provide की जानी चाहिए-

जैसे :-
- टी.वी देखना।
- संगीत सुनना
- पुस्तक पढ़ना।
- वार्तालाप करना।

* Patient के surgical wound को हमेशा Aseptic techniques का उपयोग करते हुए साफ करना चाहिए। जिससे जल्दी घाव भर जाए।

* Patient से वार्तालाप करना चाहिए, जिससे दर्द पर कम ध्यान दे।

* यदि Pain severe हो रहा है, तो तुरन्त सम्बन्धित Doctor को inform करना चाहिए।

* यदि order हो तो sedatives भी दिए जा सकते हैं।

जैसे :-
- डायजापाम, • फेन्टानिल, • कीटामाइन
- मिडाजोलम

6. बुखार का प्रबंधन करना :- Surgery के बाद संक्रमण होने के कारण ज्वर आने की संभावना अधिक होती है।
* ज्वर की स्थिति में Patient को Antipyretics provide किए जाने चाहिए।
* Patient के कपड़े ढीले करने चाहिए।
* Patient को गीले कपड़े से पोंछना चाहिए।
* ~~Patient को गीले~~
* यदि बाहर मौसम ठीक हो तो Patient के Room की खिड़कियाँ खोल देनी चाहिए।
* संक्रमण के उपचार के लिए Patient को Antibiotics भी Provide की जानी चाहिए।
* Patient के Room का environment साफ सुरक्षित होना चाहिए।
* Hyperpyrexia की condition में तुरन्त Doctor को Inform करना चाहिए।

7. Anxiety को कम करना :- Surgery के बाद Anxiety भी होना स्वाभाविक है। इसे निम्न प्रकार कम करने का प्रयत्न करना चाहिए।
* Patient से आराम से नाम लेकर बातचीत करनी चाहिए।
* Patient द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों का आराम उत्तर देना चाहिए।
* Patient को ठीक करने होने की अवधि के बारे में बताना चाहिए।
* Patient को Diversion therapy provide की जानी चाहिए।
* Emergency condition में Nurse को बुलाने के लिए Patient के Room में Bell होनी चाहिए।
* Patient को Daily उसकी Recovery के बारे में बताया जा सकता है।

PAGE NO.
DATE:

4. Patient को पर्याप्त आराम एवं नींद Provide करना :- Surgery के बाद में Patient को पर्याप्त Rest & sleep आवश्यक होता है अतः निम्न कार्य किए जाने चाहिए।

* Patient के Room का ~~enviroom~~ environment शांत एवं सुरक्षित होना चाहिए।
* Patient को दिन में नींद न लेने के लिए कहना चाहिए जिससे रात्रि को नींद आराम से आ सके।
* Patient को दिन में व्यस्त रखना चाहिए जिससे कुछ थकावट हो एवं रात्रि को सही नींद आए।
* Surgery के बाद Patient को comfortable position में रखना चाहिए।
* Patient की Bed sheet नियमित रूप से change करनी चाहिए एवं सलवट रहित रखनी चाहिए।
* Patient को Analgesics, Sedatives इत्यादि रात्रि को सोते समय Provide करनी चाहिए।
* Patient को नींद में कम से कम Disturb करना चाहिए।
* रात्रि को सोते समय Patient के Room में हल्की रोशनी होनी चाहिए।

5. Patient के Fluid Electrolyte Balance को बनाए रखना :-

Surgery के बाद Patient को कुछ समय के लिए NBM या NPO (Nil Per oral) पर अर्थात मुंह से कुछ भी लेने से मना किया जाता है इस स्थिति में Patient के Fluid electrolyte balance को बनाए रखना आवश्यक होता है। इसके लिए निम्न कार्य किए जाने चाहिए।

* Patient को NPO रखते समय I.V. Fluids continue रखने चाहिए।
* I.V. fluid order खत्म होने से पहले ही नया order ले लेना चाहिए।

Special Points :-
Air transfusion के कारण शरीर में embolism की सम्भावना होती है, एवं Pulmonary embolism होने पर रोगी की मृत्यु भी हो सकती है।

* Patient के I.V. cannula की नियमित जाँच करनी चाहिए।
* I.V. fluids चढ़ाते समय Air transfusion से बचना चाहिए एवं Drip पूरी तरह खत्म होने से पहले ही नयी Drip लगानी चाहिए।
* Patient के Hydration level की नियमित रूप से जाँच करनी चाहिए।
* यदि Blood transfusion किया जाता है तो Transfusion के बाद Heparin solution (Heplock) से I.V. cannula को Flush करना चाहिए।
* Patient जब मुह से कुछ खाने पीने के लिए समर्थ हो तो Doctor के order अनुसार oral liquid diet से start करनी चाहिए।
* Patient के relatives को oral intake के समय इसकी मात्रा Note करने के लिए कहा जाना चाहिए
* Daily Patient के Intake-output chart को maintain करना चाहिए।

6. Patient को पर्याप्त पोषण प्रदान करना :- Patient को Nutritional level को Maintain करना अत्यन्त आवश्यक होता है।

* Patient की Nutritional requirements की गणना करते समय
- Age
- Sex
- Nutritional status
- Clinical investigation
- Body weight
- Disorder type
- Type of Surgery का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।
* Patient को High calorie diet भी Provide करने चाहिए
* Patient के भोजन में रेशे पर्याप्त मात्रा में होने चाहिए।
* Patient को constipation से बचने के उपाय बताने चाहिए।

PAGE NO.
DATE:

* यदि आवश्यक हो तो Mild laxatives भी Provide किए जा सकते हैं।
* Patient को दैनिक कार्यों के लिए एकांत वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए।
* भी भोजन तैयार करते समय Patient की रुचि का ध्यान रखने की कोशिश करना चाहिए।
* Patient को भोजन इच्छा होने पर एवं ताजा परोसना चाहिए।
* भोजन आकर्षक रूप में हो एवं नमक एवं मसाले अधिक नहीं होने चाहिए।
* यदि आवश्यक हो तो Nutritional supplements भी provide किए जाने चाहिए।
* यदि Patient NG tube पर है तो उसकी NG Tube को साफ रखना चाहिए एवं आवश्यकता होने पर बदलना चाहिए।
* NG Tube से Feeding कम-कम मात्रा में एवं नियमित अंतराल पर करानी चाहिए।
* NG Feeding के समय patient को Semi fowler या Fowler position में रखना चाहिए।
* यदि किसी प्रकार की परेशानी हो तो Patient से इसके बारे में पूछना चाहिए

7. Patient को पर्याप्त O_2 Provide करना :-

* Surgery के बाद साथ ! Patient को Adequate O_2 supply की जानी चाहिए।
* यदि Patient को Ventilator पर रखा गया है तो O_2 supply लगातार होनी चाहिए।
* Patient को नियमित रूप से Hypoxemia के लिए check करते रहना चाहिए।
* Patient का आवश्यक होने पर एवं नियमित रूप से Gentle suction करना चाहिए।

PAGE NO.
DATE:

* Patient के Respiration में किसी प्रकार का व्यवधान है तो इसका पता लगाना चाहिए।
* Patient का Airway clean maintain रखना चाहिए।
* Patient को O_2 mask इस तरह लगाना चाहिए। यह कम से कम irritation करे एवं जब आवश्यक न हो तो O_2 mask हटा दे।
* Patient को Deep breathing exercise सिखानी चाहिए।
* Patient को दिन मे कम से कम 3 बार spirometry करने के लिए कहना चाहिए।
* यदि Respiration में किसी प्रकार की complication हो तो इसे तुरन्त Doctor को Inform करना चाहिए।

8. Patient की छोटी-छोटी समस्याओं को ठीक करना :-

Surgery के बाद कुछ minor problems होनी सामान्य है।
जैसे :- • उल्टी होना, • कब्ज होना, • दर्द होना, • ज्वर होना, • जी खराब होना, • खांसी होना

* इन सभी के बारे में प्रायः Doctor पहले ही order लिख देता है नहीं तो SOS के तहत इनके लिए लिखवा लेना चाहिए। एवं जब आवश्यकता हो तब इन Medicines को Provide करना चाहिए।
* Patient को इन complications से बचने के बारे में बताना चाहिए।
* इन Minor problems को बिना Medicines द्वारा ठीक किया जा सकता है।

• Vomiting के लिए
– Reglan
– Ondensetron.
• Constipation के लिए
– High fiber diet.

PAGE NO.
DATE:

- Mild laxatives
- Lactulose
• Pain के लिए
- Paracetamol (Perfalgan)
- Tramadol
- Diclofenac sodium
- Sedatives
• Fever के लिए
- Antibiotics like - Monocef, Amikacin
- Antipyretics like - Paracetamol, (Ibuprofane)
• Cough के लिए
- Expectorants
- Anti-tussive drugs.
• Allergy होने पर
- Avil
- Dexona
- Hydrocortisone etc दिए जाने चाहिए।

9. Patient में complication की रोकथाम एवं उपचार :-

* Patient में complication के Prevention एवं early diagnosis की कोशिश करनी चाहिए।
* Patient का continue observation करना चाहिए।
* Patient के TPR एवं BP नियमित रूप से check एवं Note करने चाहिए।
* Patient को यदि आवश्यक हो तो cardiac monitor पर रखना चाहिए।

* Patient का SPO_2 level नियमित रूप से check एवं Note करना चाहिए।
* सभी emergency drugs सदैव एक trolley में व्यवस्थित ढंग से रखनी चाहिए।
* CPR (Cardio-Pulmonary Resuscitation) में सभी instruments एक अलग Trolley में Ready रखने चाहिए।
* Patient को किसी भी प्रकार की complication होने पर तुरन्त Attend करना चाहिए।
* Patient की complication का तुरन्त उपचार ही सम्भव हो तो किया जाना चाहिए।

10. Patient को Medicine देना :- Surgery के बाद प्रायः Patient को कुछ न कुछ Medicines अवश्य दी जाती है यह निम्न हो सकती है -

* Antibiotics
  - Cefotaxime
  - Gentamycin
  - Monocef
  - Amikacin
* Antipyretics
  - Ibuprofane
  - Paracetamol
* Analgesics
  - Diclofenac sodium
  - Tramadol
* Antiemetics
  - Ondensetron
  - Metchlopramide

PAGE NO.
DATE:

* Nebulization
- Asthalin
- Budecort

* Nutritional supplements
जैसे :- • Autrin
- Zent
- B-complex

* I.V. Fluids
- NS
- RL
- DNS
- N/2 D5%.

* इन सभी Medicines को 5R को ध्यान में रखते हुए Administer करना चाहिए । '5R' निम्न है।
- Right patient
- Right drug
- Right time
- Right dose
- Right route

* इसके साथ ही सभी medicine के बारे में ~~Abs~~ nursing care record में भी Note करना चाहिए ।
* Patient को दवाई nurse के सामने ही लेने के लिए कहना
* Medicine provide करते समय patient के आराम का भी ध्यान रखना चाहिए ।

PAGE NO.
DATE:

11. Patient की Personal Hygiene को maintain करना :-

* Patient को oral hygiene maintain करने के लिए encourage करना चाहिए।
* जब Surgery wound ठीक हो जाए तो Patient को नहाने के लिए Encourage करना चाहिए।
* Patient को आवश्यकता होने पर Bed bath भी दिया जा सकता है।
* Patient की स्थिति ठीक होने पर shaving भी करवानी चाहिए।
* Patient को Perineum area सूखा रखने के लिए कहना चाहिए एवं आवश्यक हो तो Diaper provide करने चाहिए।
* Patient को नियमित रूप से पहनने के लिए साफ कपड़े देने चाहिए।
* यदि Patient चल सकता है तो उसे Bathroom में बरतने वाली सावधानियों के बारे में बताना चाहिए।
* Surgery site की Aseptic techniques का उपयोग करते हुए सफाई करनी चाहिए।

12. Patient को Mobilization एवं Exercise के लिए कहना :-

* Patient को घाव ठीक होने के बाद, चलने की अनुमति देने के बाद थोड़ी चलने फिरने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
* यह Exercise patient को मजबूत बनाती है एवं विश्वास या will power को बढ़ती है।
* यह Exercise patient के पुनर्वास में मदद करती है।
* यदि आवश्यक हो तो चलने में patient की मदद करनी चाहिए।
* Patient को Exercise के लाभ बताने चाहिए।
* Patient के Relatives को भी Patient की मदद करने के लिए कहना चाहिए।

* Patient को Heavy exercise करने से मना करना चाहिए।

13. Patient को आवश्यक Health-Education देना

* Patient को hospital stay के दौरान निम्न बातो पर Health education दी जाती है।
- पोषण
- किसी प्रकार की समस्या होने पर सूचना देना
- व्यायाम
- स्वच्छता इत्यादि।

* Patient को Hospital से Discharge होते समय भी निम्न विषय पर health education दी जाती चाहिए।
- Regular follow-up के लिए
- पोषण
- स्वच्छता
- व्यायाम
- सावधानियाँ जिनका ध्यान रखना है।
- पुनर्वास
- सही समय पर दवाएँ लेना इत्यादि।